सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–5 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 5 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

1. आकृति एवं स्थान की समझ

कोण से परिचय : कोण क्या है? इसकी समझ विकसित करना।

कोण मापने का तरीका : कितना कोण है? इसका अंदाज़ा लगाना।

90 अंश का कोण : 90 अंश का कोण पहचानना, इससे कम तथा इससे ज्यादा के कोण की समझ बनाना।

समकोण, सरल कोण, अधिक कोण तथा न्यून कोण : देखकर अंदाज़े से ज्ञात करना।

घूर्णन सममिति से परिचय : आकृतियों को आधा, चौथाई व तीन चौथाई घुमाने पर कैसी दिखेंगी। इसे समझ कर बताना।

2. संख्या एवं संक्रियाएँ

10000 तक की संख्याओं का प्रयोग : अर्थपूर्ण संदर्भों में बड़ी संख्याओं से परिचित होना।

दोहरान : कक्षा चार में संख्या के साथ किए गए काम का दोहरान करना।

स्थानीय मान : संख्याओं के जोड़ तथा घटाना करने के दौरान स्थानीय मान की समझ का प्रयोग करना।

मानक विधि : गुणा तथा भाग की मानक प्रचलित कलन विधियों से परिचय तथा इनका प्रयोग करना।

गुणन खण्ड तथा गुणज : गुणनखण्ड तथा गुणज से परिचय तथा इनकी मदद से संख्या के साथ कार्य करना।

लघुतम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्तक : इस शब्दावली से बिना परिचय कराए इन्हें प्राप्त करने के तरीके पर काम करना।

मनगणित : संख्याओं पर आधारित मनगणित के सवाल करना एवं अंदाज़ा लगाकर जवाब देने को प्रोत्साहित करें।

3. भिन्न की समझ

किसी समूह में रखी वस्तुओं का हिस्सा : किसी समूह में रखी कुछ वस्तुओं का हिस्सा भिन्न के रूप में बताना।

भिन्न संख्याओं की तुलना : भिन्नों की तुलना करना। (समतुल्य भिन्न की अवधारणा के बिना।)

तुल्य भिन्न का मतलब समझना।

भिन्न संख्याओं को संख्या रेखा पर दर्शाना : भिन्नों को संख्या रेखा पर दर्शाना।

4. मापन इकाइयाँ

क्षेत्रफल : ग्राफ पेपर का उपयोग – ग्राफ पेपर का उपयोग करके कम, ज्यादा क्षेत्रफल पता करना। क्षेत्रफल और परिमाप के बीच संबंध को सहज रूप से समझना।

आयताकार आकृति का क्षेत्रफल सहज रूप से समझना।

मुद्रा : हिसाब–किताब आदि के संदर्भ में सभी संक्रियाओं के लिए रुपये–पैसे का इस्तेमाल करना एवं बिल बनाकर बाजार पर आधारित गतिविधियाँ करना।

मापन : मीटर तथा सेंटीमीटर में संबंध – स्केल की मदद से मीटर व सेन्टीमीटर के बीच का संबंध समझाना।

स्केल, इंचटेप आदि की मदद से लम्बाई मापना एवं लम्बाई का अनुमान लगाना तथा लम्बाई के आधार पर लम्बा–छोटा बताना।

भार : किलोग्राम, ग्राम के संबंध के बारे में दोहरान कार्य करना एवं भार के बाटों का जोड़, घटा के सवालों में उपयोग करना।

धारिता : लीटर तथा मिलीलीटर के संबंध के बारे में दोहरान कार्य करना।

लीटर तथा *मिलीलीटर* के मापों का जोड़–घटाव के सवालों में उपयोग करना।

समय : मिनिट, घण्टा और सैकेण्ड के संबंध को समझना।

मिनिट, घण्टा और सैकेण्ड के आधार पर जोड़–घटाव के सवालों को हल करना।

5. आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न

आँकड़ों का प्रबंधन

एकत्रित डाटा को टैलीचिह्न का प्रयोग करते हुए सारणी के रूप में जमाना एवं

ऐसी सारणी में से सूचनाओं को निकालना।

दण्ड आलेख द्वारा दर्शाना : संकलित जानकारी को दण्ड आलेख बनाकर दर्शाना एवं

दण्ड आलेख देखकर सूचनाएँ प्राप्त करना तथा दण्ड आलेख बनाना।

पिक्टोग्राफ (चित्रालेख) का प्रयोग : पिक्टोग्राफ बनाना तथा इसकी मदद से महत्त्वपूर्ण सूचनाएं ज्ञात करना।

पैटर्न : दी गई स्थितियों में पैटर्न पहचानना, उन्हें आगे बढ़ाना और नए पैटर्न बनाना।

संख्याओं में पैटर्न की समझ : विभिन्न संख्या श्रेणियों को दिखा कर उनमें पैटर्न पहचानना तथा आगे बढ़ाना। (जोड़, बाकी, गुणा व भाग के आधार पर) कैलेण्डर की संख्याओं में पैटर्न ढूँढना।

प्रथम टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• चीज़ों को आधा, चौथाई, तीन चौथाई एवं एक तिहाई घुमाने की कल्पना के बाद उनकी छवि में क्या बदलाव आएगा? इसे समझ के साथ विजुअलाइज़ कर सकें।	2	3–5
2	**संख्या ज्ञान**	• तीन व चार अंकों की संख्याओं को पढ़ने, लिखने, स्थानीय मान की समझ के आधार पर बनाने एवं तुलना करने की समझ का विकास कर सकें। • गुणज की आधारभूत समझ बना सकें।	4 व 6	8–12, 17–18
3	**संक्रियाएँ**	• दहाई में इकाई, दहाई में दहाई एवं सैंकड़ों में दहाई के जोड़ने–घटाने की पुख्ता समझ हेतु बिना हासिल व हासिल के जोड़ने–घटाने की ड्रिल्स समझ के साथ कर सकें।	3	6–7
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• परिवेशीय संदर्भों में पैटर्न खोज सकें, चीज़ों व चित्रों से बने पैटर्न को खोज सकें एवं उन्हें समझकर आगे बढ़ा सकें। • आँकड़ों को पढ़ने, व्याख्या करने, प्राप्त आँकड़ों से दण्ड आलेख एवं चित्रालेख खींचने, उपयुक्त पैटर्न का चयन कर आँकड़ों का विश्लेषण करने की समझ बना सकें।	1, 5, 7 व 8	1–2, 13–16, 19–28

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ रख पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना, जिनमें से किसी भी संख्या में कोई भी एक अंक की पुनरावृत्ति नहीं हो।	I																									
	II																									
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
जोड़–घटाव की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया हल दिए होने पर उनमें से सही हल को खोज पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना व नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ रख पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना, जिनमें से किसी भी संख्या में कोई भी एक अंक की पुनरावृत्ति नहीं हो।	I																									
	II																									
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
जोड़–घटाव की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया हल दिए होने पर उनमें से सही हल को खोज पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना व नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 4 **विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक**	**माह**																								
* 999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																								
	II																								
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																								
	II																								
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																								
	II																								
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																								
	II																								
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																								
	II																								

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से इकाई, दहाई, सैंकड़ा एवं हजार के स्थानों की समझ बना सकें एवं विस्तारित रूप से संख्याएँ बना सकें। • बराबर बँटवारे से भिन्न की समझ बना सकें, भिन्नों में तुलना कर सकें एवं संख्या रेखा पर समझ के साथ निरुपित कर सकें। • दिए गए तीन व चार अंकों से सर्वसम्भव एवं छोटी–बड़ी संख्या समझ के साथ बना सकें, सर्वसम्भव संख्याओं को घटते–बढ़ते क्रम में समझ के साथ लिख सकें।	10, 12, 13 व 15	30–31, 33–37, 42–43, 50–52
2	**संक्रियाएँ**	• दैनिक जीवन के हिसाब–किताब को करने में चारों संक्रियाओं का उपयोग समझ के साथ कर सकें। • दहाई में इकाई के गुणा की समझ हेतु दैनिक जीवन की समस्याएँ समझ के साथ हल कर सकें।	11, 16, 17 व 18	32, 53–58
3	**मापन इकाइयाँ**	• आयताकार एवं वर्गाकार ब्लॉक जमाकर आकृतियों का क्षेत्रफल ज्ञात कर सकें। • मीटर–सेन्टीमीटर के बीच सम्बन्ध को समझ सकें, लम्बाई का अनुमान लगा सकें एवं लम्बाई के आधार पर तुलना कर सकें।	13 व 19	41, 59–62
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• आँकड़ों को पढ़ने, तुलना कर उनकी व्याख्या करने की समझ बना सकें।। • कैलेण्डर में दी गई संख्याओं के बीच पैटर्न खोज सकें। • जोड़ एवं गुणा पर आधारित पैटर्न खोजने एवं समझ के साथ उसे आगे बढ़ाने की समझ बना सकें।	9 व 13	29, 38–40

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनी स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ अंकों की पुनरावृत्ति किए बिना बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरुपण कर पाना एवं उनकी तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ समझ के साथ कर पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना व नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनी स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ अंकों की पुनरावृत्ति किए बिना बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरुपण कर पाना एवं उनकी तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ समझ के साथ कर पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना व नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 4 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																								
	II																								
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																								
	II																								
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																								
	II																								
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																								
	II																								
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																								
	II																								

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

तृतीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• विविध गतिविधियों से कोण का अनुभव एवं समकोण का परिवेश में अनुभव कर सकें तथा विभिन्न कोणों से चीज़ों के चित्र बना सकें। न्यूनकोण, समकोण, अधिककोण को पहचान सकें तथा कोण बना सकें एवं माप सकें।	**14**	**44–49**
2	**संक्रियाएँ**	• 2 से 10 तक पहाड़े सुना सकें, स्थानीयमान की समझ पर आधारित जोड़ने–घटाने की ड्रिल्स हल कर सकें। (दोहरान) • दहाई में दहाई का गुणा एवं इस पर आधारित इबारती प्रश्न समझकर हल कर सकें।	**दोहरान एवं 20 व 21**	**63–65**
3	**मापन इकाइयाँ**	• घण्टा, मिनिट, सैकण्ड के अन्तर्सम्बन्ध को समझ सकें एवं इन पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ समझकर हल कर सकें। • दूरी पर आधारित समस्याओं को मानक इकाइयों की मदद से हल कर सकें। • लीटर, मिलीलीटर, किग्रा, ग्राम के अन्तर्सम्बन्ध को समझ सकें एवं इन पर आधारित समस्याएँ हल कर सकें।	**22, 23 व 25**	**66–74, 83–87**

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान (दोहरान)																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरुपण कर पाना एवं उनकी तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
विविध भौतिक राशियों के जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
जोड़–घटाव की संक्रिया के हल किए गए प्रश्नों में त्रुटि को खोज पाने एवं सुधार कर पाने तथा सही उत्तर का चयन कर पाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। जैसे– अंकों के जादू, पहेली।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान (दोहरान)																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरुपण कर पाना एवं उनकी तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
विविध भौतिक राशियों के जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
जोड़–घटाव की संक्रिया के हल किए गए प्रश्नों में त्रुटि को खोज पाने एवं सुधार कर पाने तथा सही उत्तर का चयन कर पाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। जैसे– अंकों के जादू, पहेली।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 4 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																								
	II																								
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																								
	II																								
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																								
	II																								
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																								
	II																								
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• भिन्नों का चित्र एवं संख्या रेखा पर निरुपण कर सकें, दी गई भिन्न की तुल्य भिन्न बना सकें, छोटी–बड़ी भिन्न पहचान कर तुलना कर सकें। • गुणज की समझ बना सकें, गुणज व गुणनखण्ड के अन्तर को समझ सकें, सबसे छोटे समान गुणज एवं सबसे बड़े गुणनखण्ड की समझ बना सकें तथा इस पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर सकें।	**27, 28 व 30**	**92–100, 105–118**
2	**संक्रियाएँ**	• तीन व चार अंकों की संख्याओं में इकाई का भाग समझ के साथ दे सकें, भाग टूटी शून्य की समझ बना सकें एवं कलन विधि से समस्याएँ हल कर सकें। • चारों संक्रियाओं पर आधारित हल किए गए सवालों के हल में गलती ढूँढ़ सकें एवं उन्हें सुधार सकें।	**24 व 26**	**75–82, 88–91**
3	**मापन इकाइयाँ**	• ग्राफ पेपर का उपयोग करके क्षेत्रफलों की तुलना कर सकें एवं क्षेत्रफल व परिमाप की समझ बना सकें।	**29**	**101–104**

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा सबसे छोटे समान गुणज एवं सबसे बड़े गुणनखण्ड को खोज पाना तथा दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों को चित्रों से निरुपित कर पाना एवं तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या रेखा पर भिन्नों (आधे, चौथाई व तीन चौथाई हिस्से) को निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
विविध भौतिक राशियों के जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सैंकड़े में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
जोड़–घटाव की संक्रिया के हल किए गए प्रश्नों में त्रुटि को खोजने, सुधार करने एवं सही उत्तर का चयन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंकों की संख्या में एक अंक की संख्या के भाग को कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हजार में इकाई के भाग पर आधारित इबारती प्रश्न की इबारत पढ़कर हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
परिमाप व क्षेत्रफल के अन्तर को इनके अनुप्रयोग द्वारा समझ के साथ बता पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्डालेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, उन्हें आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। जैसे– अंकों के जादू, पहेली, कैलेण्डर की संख्याओं के पैटर्न।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
घूर्णन सममिति में कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																									
	II																									
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा सबसे छोटे समान गुणज एवं सबसे बड़े गुणनखण्ड को खोज पाना तथा दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्नों को चित्रों से निरुपित कर पाना एवं तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या रेखा पर भिन्नों (आधे, चौथाई व तीन चौथाई हिस्से) को निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
विविध भौतिक राशियों के जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत समझ कर प्रश्न के हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
सैंकड़े में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
जोड़–घटाव की संक्रिया के हल किए गए प्रश्नों में त्रुटि को खोजने, सुधार करने एवं सही उत्तर का चयन करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
तीन या चार अंकों की संख्या में एक अंक की संख्या के भाग को कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हजार में इकाई के भाग पर आधारित इबारती प्रश्न की इबारत पढ़कर हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
परिमाप व क्षेत्रफल के अन्तर को इनके अनुप्रयोग द्वारा समझ के साथ बता पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्डालेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, उन्हें आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। जैसे– अंकों के जादू, पहेली, कैलेण्डर की संख्याओं के पैटर्न।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								

कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 4 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																								
	II																								
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																								
	II																								
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																								
	II																								
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																								
	II																								
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									